

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

मु.उ.पु. 24 पृष्ठ

कार्यालयीन उपयोग के लिए



निम्न रिक्तियों की सही प्रविष्टि परीक्षार्थी द्वारा की जाए।

परीक्षा के नाम की सील

हायर सेकेण्डरी

विषय कोड **130**

परीक्षा का विषय **राजनीति**

2. परीक्षा का माध्यम **हिन्दी** परीक्षा की दिनांक **23/03/09**

केन्द्र क्रमांक की सील

C.No.251024

3. परीक्षार्थी प्रश्न पत्र का पूर्ण कोड नम्बर

(सेट **A, B, C, या D**) अनिवार्यतः भरें

कोड सेट
U-2034-D

स्टीकर तीर के निशान से मिलाकर लगायें

पर्यवेक्षक/केन्द्राध्यक्ष का प्रमाणीकरण

प्रमाणित किया जाता है कि परीक्षार्थी द्वारा निम्नानुसार पूरे

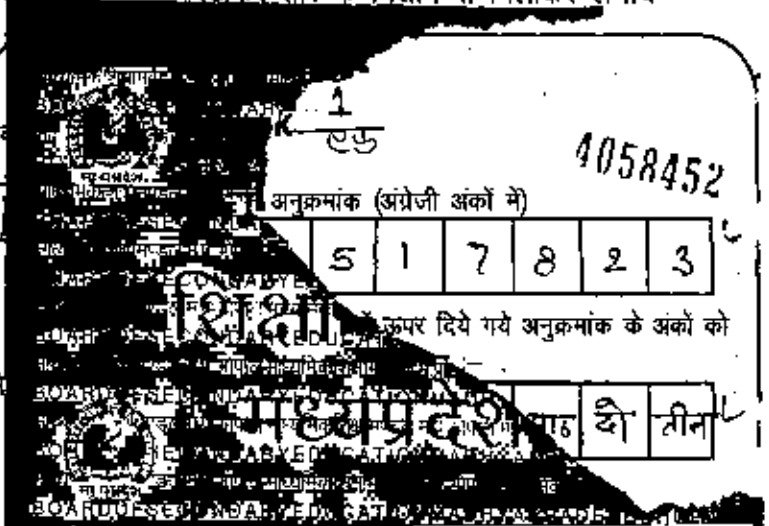
उत्तरपुस्तिका ली गई है :-

क :- संख्या शब्दों में **९५** अंकों में **०**

ख :- परीक्षार्थी की बैठक व्यवस्था कक्ष

क्रमांक **०७** में है।

ग :- उत्तर पुस्तिका पर प्रश्न-पत्र का कोड नम्बर एवं सेट सही लिखा है।



**B
S
E
M
P**

हस्ताक्षर (पर्यवेक्षक)

[Signature]

नाम

L.S. Rajput

Asstt. Teacher

पता/संस्था

P/S Medinabad

परीक्षार्थी द्वारा ली गई सभी पूरे उत्तर पुस्तिकाएँ, मु उत्तर पुस्तिका के साथ संलग्न हैं।

हस्ताक्षर (केन्द्राध्यक्ष)

परीक्षार्थी, परीक्षक से अपेक्षा है कि वे पृष्ठ भाग पर दिये गए निर्देशों का यथेष्ट पालन सुनिश्चित करेंगे।

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्तानुसार संलग्न पूरे उत्तर पुस्तिका चरम स्थिति में यथावत् रखते हुए ही उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन पुस्तिका के अन्दर के अंक एवं कवर पृष्ठ पर दर्शाये अंक एक

हस्ताक्षर (परीक्षक)

[Signature]

हस्ताक्षर (उपमु)

परीक्षक क्रमांक

9170306

दिनांक

दिनांक.....

परीक्षार्थी के लिए निर्देश

1. परीक्षार्थी को अपना अनुक्रमांक/विषय/माध्यम/दिनांक एवं प्रश्न-पत्र का कोड (समूह) मुख पृष्ठ पर अंकित करना अनिवार्य है। अन्यत्र कहीं भी नहीं लिखा जाएगा।
2. अनुक्रमांक नीचे दिये गए उदाहरण अनुसार लिखा जाए :-

1	8	2	4	3	9	5	6	8
एक	आठ	दो	चार	तीन	नौ	पाँच	छः	आठ

3. उत्तर पुस्तिका के दोनों ओर पृष्ठों में लिखें। बीच में रिक्त स्थान न छोड़ें। भूल से छूटा/रिक्त स्थान तथा शेष खाली पृष्ठों को क्रास किया जाए।
4. परीक्षार्थी प्रश्न पत्र हल करते समय ही, कवर पृष्ठ पर दी गई तालिका में प्रश्न क्रमांक के सम्मुख वाले कालम में उत्तरपुस्तिका का वह पृष्ठ क्रमांक अनिवार्य रूप से अंकित करें जिस पर प्रश्न का उत्तर लिखा गया है। यदि पूरक उत्तरपुस्तिका का उपयोग किया गया हो, तो उस पर 25 से प्रारंभ करते हुए पृष्ठ क्रमांक परीक्षार्थी द्वारा स्वयं डाले जाएँ।

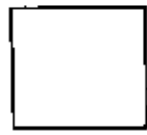
परीक्षक के लिए निर्देश

1. केवल उन्हीं उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन करें जिन पर होलो क्राफ्ट स्टीकर चस्पा है।
2. उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन होलो क्राफ्ट स्टीकर को चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही किया जाये।
3. बिना होलो क्राफ्ट स्टीकर वाली तथा फटे हुए होलो क्राफ्ट स्टीकर वाली सभी उत्तरपुस्तिकाएँ मूल्यांकन हेतु परीक्षा नियंत्रक, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल को व्यक्तिशः रूप से भेजी जाये।

मूल्यांकन केन्द्र के लिए निर्देश

1. **O.M.R. SHEET** पर प्राप्तांक की प्रविष्टि करने हेतु केवल वही उत्तरपुस्तिकाएँ प्राप्त करें, जिनका मूल्यांकन होलो क्राफ्ट स्टीकर को चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही लिया गया है। यदि होलो क्राफ्ट स्टीकर फटा हुआ पाया जाता है तो ऐसी उत्तरपुस्तिकाएँ मूल्यांकन केन्द्र अधिकारी को पृथक से सौपी जाएँ। ऐसे प्रकरणों के प्राप्तांकों की प्रविष्टि **O.M.R. SHEET** में नहीं की जाए। मूल्यांकन केन्द्र अधिकारी ऐसी उत्तरपुस्तिकाएँ पुनः मूल्यांकन के लिये परीक्षा नियंत्रक, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल को व्यक्तिशः रूप से सौपेंगे।
2. उत्तरपुस्तिका के मुख्य पृष्ठ में अंकों एवं शब्दों में अंकित प्राप्तांकों को मिलाकर **O.M.R. SHEET** में अंकों की सटीक प्रविष्टि करें।
3. **O.M.R. SHEET** पर प्रमाणीकरण कर हस्ताक्षर करें।

3



+

योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 3 के अंक

कुल अंक



प्रश्न - 1 का उत्तर :-

खिल स्थान - 9

(1) चतुर्थ श्रेणी

(2) अविद्यान का

(3) 27 प्रतिशत

(4) अयुक्त राष्ट्र संघ का सदस्य बना

(5) सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक साम्राम्य हैं।

प्रश्न - 2 का उत्तर :-

सत्य - असत्य

(1) सत्य

(2) असत्य

(3) असत्य

(4) सत्य

(5) सत्य

B
S
E
M
E
R

पृष्ठ 3



प्रश्न - 3 का उत्तर :-

(अ)	(ब)
(अ) अनाङ्ग आसंविधान	147 अनुच्छेद
(ब) बुद्धदेवलेखक	उत्तर प्रदेश
(ग) छत्तीसगढ़ शिरपुर व्याख्यान	1926
(द) सी.डी. बी.टी.	1990
(इ) आर्थिक उदारीकरण	व्यापार प्रतिबंधों का समाप्त

प्रश्न - 4 का उत्तर :-

(1) 15 मार्च 1950

(2) बी. जे. वेद

(3) अतीत युद्ध

(4) शुद्ध निरपेक्षता



(5) सुरक्षा परिवर्तन को।

प्रश्न - 5 का उत्तर :-

सही विषय -

(1) डॉ. सायबेदानन्द सिन्हा

(2) 1946

(3) भारत और अमेरिका

(4) 1 नवम्बर 1946 को

(5) आरिखा (संकेत)

प्रश्न - 6 का उत्तर :-

भारत-विभाजन मुख्यतः अल्पसंख्यकों को एक कुतर्क नाम की लेक
आया। भारत विभाजन के उपरान्त 1 अक्टूबर 1947 को भारत से
भारत आये और 25 नवम्बर 1947 को भारत से पकिस्तान
को गये। इनमें आरिखी की घुलनाश की समस्याओं को और
अतिपूर्वक सुरक्षा की समस्याओं को जन्म दिया।

मुख्यतः आरिखीयों की समस्या को एक लेक
उपाध्याय ने अपनी पुस्तक में इस तरह-

B
S
E
M

पृष्ठ संकेत



उल्लेखित किया। इन शरणार्थियों में बूढ़ों से सुरक्षा
 माला और लाल आरति तथा भूख-पास के मारे तथा
 कम्पनपाली आनाम तथा कभी एक पौब में बूढ़ा हूँ
 ही कभी वह भी नहीं इस प्रकार यह शरणार्थी
 विस्थापन के शिखर थे। तथा यह निरन्तर चलायमान
 थे ये उर्ध्व जा रहे थे इन्हीं में यह भी पल
 नहीं था इस प्रकार शरणार्थी समस्या में भारत को
 अविश्रुत उभाटित किया।

प्रश्न - 7 का उत्तर :-

पिछड़े वर्ग :- जो वर्ग विजय की दौड़ में पीछे रह
 गये तथा जिनकी आर्थिक और सामाजिक
 स्थिति विगड़ी रही और यह अपनी
 पूर्णता से विजय नहीं कर पाये।

पिछड़े वर्ग थे। तथा इन्हे
 अनुसूचित जाति और जन जाति की सूची में
 भी शामिल नहीं किया जा सका।

(1) बी. आर. छोटे भू स्वामी है।

(2) जिन्हे औद्योगिक-आर्थिक विजय की पूर्णता से
 न प्राप्त कर पाया है।

(3) जिनका नाम पिछड़ा वर्ग आयोग की सूची में
 है।



प्रश्न - 8 का उत्तर :-

निरक्षरता व्यक्ति की स्वतंत्रता को बाधित करती है। अतः निरक्षर व्यक्ति न तो अपने स्वयं स्वतंत्र तरीके से निर्णय ले पाता है तथा न ही उसमें इतनी बौद्धिक क्षमता होती है।

अपने स्वयं के निर्णय की स्वतंत्रता को लोचनपूर्वक व्यक्त को उपलब्ध करना है। परन्तु वास्तव में इसका वही व्यक्ति उपयोग कर सकता है। जो शिक्षित है।

तथा निरक्षर व्यक्ति मनायस में ही अपने सामाजिक अर्थिक हितों को पूरा करने में असमर्थ सिद्ध होता है। तथा व्यक्ति को अपने व्यक्तिगत के विकास के मरपूर अंतर निरक्षरता के कारण नहीं मिल पाते इस प्रकार निरक्षरता के कारण भारतीय लोकतंत्र में प्रभावशाली कृता जाती है। तथा लोकतंत्र वर्गीय तंत्र में लक्ष्य जाता है।

निरक्षरता लोकतंत्र को बाधित करने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाहन करती है।

प्रश्न - 9

प्रश्न - 9 का उत्तर :-

भारत में पर्यावरण संदुषण अन्य कारणों की तनह से फैला रहा है। भारत की मौलिक अक्षांश की चाह ने पर्यावरण को नष्ट करने में जोड़ कर नहीं छोड़ी।



कारण :-

- (1) मौखिक विनाश का असन्तुलित जयघोष ।
- (2) असन्तुलित विनाश ।
- (3) वनो का विनाश
- (4) खनन
- (5) छपि का व्यापारिकरण में बदलना ।
- (6) सुसुषण उत्पन्न करने वाले स्त्रोत्रों का

विनाश ।

(1) मौखिक विनाश :- आज व्यक्ति मौखिक विनाश की चाल में ठेक ठेक प्रति व्यक्ति जाय को बढ़ता है चाल ही इस रूप में इसने पहले को भुला दिया है और ठेक ठेक समाज को व्यक्ति का समाज ही समझने लगा है। तथा यह भूल गया कि पहले के समाज वह अन्य नीरस सुखों की तरह है। आज व्यक्ति ने लगभग 15 करोड़ वन्य जातियों का विनाश के द्वार पर पहुँचा दिया है।

(2) वनो का विनाश :- वनो के विनाश ने भी पहले को प्रभावित किया आज उद्योगिकरण और नगरीकरण से दिन प्रति दिन वनो का विनाश हो रहा है। तथा व्यक्ति यह सोचने का समय भी नहीं ले रहा है कि इनसे निकले वाला धुआँ तथा विषैली गैसें कहीं जायेंगी।



प्रश्न-10 का उत्तर 82

भारतीय विदेश नीति को प्रभावित करने वाले कारक ।

- (1) आर्थिक कारण
- (2) वैश्विक कारण
- (3) भौगोलिक कारण
- (4) तकनीकी कारण
- (5) विचारधारा

(1) आर्थिक कारण :- विदेश नीति को आर्थिक कारण मुख्यतः सभी तरह से प्रभावित करने वाला कारक है। आर्थिक कारण होने से ही वह देश अपनी सम्पन्नता तथा विशिष्टता को बनाया रख सकता है। क्योंकि इससे वे कमीन या आपूर्ति को छन की आवश्यकता सर्वोपरी है।

(2) वैश्विक कारण :- वैश्विक कारण विदेश नीति को निर्णयक तत्व है। इसके कारण ही देश की रक्षा की जा सकती है। अतः यह भी कभी हद तक छन पर निर्भर है। अतः दोनों एक दूसरे को सम्पूरक है।

(3) तकनीकी कारण :- तकनीकी कारण में भारत माहयम श्रेणी का स्थल है। अतः इसमें समुन्नत भौगोलिकी आर्थिक रूप से ही सम्पन्न हो सकती है।

B
S
E
M
P



पृष्ठ के अंक का योग



(9) भौगोलिक कारण :- भौगोलिक कारण भारतीय विदेश नीति का महत्व पूर्ण कारण है तथा भारत की स्थिति को इस प्रकार है कि इसमें पूर्वी दक्षिण एशिया तथा चीन अदि देशों से प्रवेश किया जा सकता है।

अतः इसमें हिमालय तथा हिन्द महासागर की रक्षा इसका पर्याय बन गया है।

प्रश्न - 11 का उत्तर

भारत लम्बा देश तनात का कारण मुख्यतः गंगा जल तटवारा और शेरव मुर्गीबुरहमन की लया के पश्चात इसमें लगातार तनाव का दौर बना हुआ है। सन 1971 में लम्बादेश का निर्माण भी मले इन्दिया गौड़ी के नेतृत्व में किया गया था तथा इसमें अब भारत-पाक युद्ध अब रहा था तभी इसके निर्माण का प्रादुर्भाव पूर्ण हुआ इसका प्रमुख कारण पूर्वी तथा दक्षिण पश्चिम में संघर्ष दक्षिण धनिल्लान इसके रिक्तता तर्कारण का कमन चक्र चला रहा था तब पूर्वी लम्बा देश के अनावर्षी भारत माये भारत ने इस धर विरोध प्रकट किया और रोकने के लय परलु पाकिस्तान

D
S
E
M
P



ने इसे जही रोजगार तथा इस प्रकार बंगला का निर्माण किया गया।

जब 1989 में गंगानल बलवारे के तहत कुरुवा समझौता किया गया तो इसने जब धानी की बहुत भमी ली है। भारत के 35 ब्यूरोपानी देना स्वीकार किया तथा पानी की मात्रा के बढाने का भी निर्णय किया गया।

अब बंगला देश के साथ सम्बंध कुछ कमजोर है तथा बंगला देश में पकिस्तान विरोधी शक्तियाँ ही इसे मडुलने में मदद कर रही हैं। और बंगलादेश से सीधे के तहत ही बाला का कुछ बसोवद पूर्ण सम्बंध बना था। परन्तु यह अधिक समय तक गबि चल सके और इनमें किर खतई उत्पन्न हो गयी है।

प्रश्न - 12 का उत्तर

वैश्वीकरण के समय चुनौतियाँ।

- (1) प्रतिस्पर्धा बनाये रखना।
- (2) अन्तर्राष्ट्रीय व्यावस्था से लड़ीकरण करना।
- (3) अवसर का बरतुमो का निर्माण करना।
- (4) परिवर्तन की हमला बनाये रखना।

B
S
E
M
F



(1) स्पर्धा बनाने भरवना :- वैश्वीकरण की अनुभव चुनने के
 अन्त देखो से प्रतियुद्धी जो बनाने
 करवना तथा उत्पादन की गुणवत्ता को
 सुधार।

(2) अन्तर्राष्ट्रीय व्यवस्था में विदेशी पूँजा की बढ़ावा भी इसकी
 अनुभव चुनने लिये हैं। तथा विश्व में
 सभी बाटों में एक मुद्रा में परिवर्तित
 करना कठिन कार्य है।

(3) उपभोक्ता वस्तुओं को बढ़ावा :- वैश्वीकरण में
 उपभोक्ता वस्तुओं को अधिक महत्व
 दिया जाता है। इसमें विश्वासपूर्ण
 वस्तुओं की माँग अपेक्षाकृत अधिक
 रहती है।

(4) परिवर्तन की क्षमता बनाने भरवना :- विश्व में वस्तुओं
 के उपयोग पर वर्तमान तथा अधिक
 उपयोगी वस्तुओं का निर्माण करना भी
 इसका सबसे अनुभव कार्य है।

वैश्वीकरण में विश्व बाजार व्यवस्था को लीकृत का
 दिया जाता है। तथा एक मंच पर ला रवडा कर
 दिया जाता है। प्रतिबंधों को समाप्त का दिया
 जाता है।

B
S
E
M
P

13

पृष्ठ 11 का अंक

+

1

=

कुल अंक



प्रश्न - 13 का उत्तर

भारत विमानन के कारण

- (1) मुस्लिमों को सामुदायिकता की भावना।
- (2) अंग्रेजों द्वारा मुस्लिम सामुदायिकता को बढ़ाना।
- (3) मुस्लिम लीग के प्रति कांग्रेस की तुल्यीकरण की नीति।
- (4) मॉरिशस सरकार में इससे समस्याओं को शामिल करना।

B
S
E
M
P

(1) मुस्लिमों को सामुदायिकता भावना :- मुस्लिम सदियों से ही हिंदुओं के साथ में रह रहे हैं। फिर भी इनमें अहिंसा के भावना को विकास नहीं हो सका इनमें यह भावना धर्मालापर लगी रही तथा इन्हें भावना था यह विकास की बिंदुओं को राष्ट्र प्रिय है। और मुस्लिमों का प्रथम भावना अवलोकन गयी और इसको बढ़ाने का प्रयत्न किया मुहम्मद जिन्ना तथा इकबाल को जाल है।

(2) अंग्रेजों द्वारा भावना को बढ़ाना :- अंग्रेजों द्वारा मुस्लिमों को 1870 से ही संरक्षण दिया जा रहा था तथा यह कि राष्ट्र की भावना में विकास बिशवास करते थे। इसमें 1916 का लखनऊ सम्मेलन तथा सामुदायिक युवावर्ग इसी भावना को बढ़ाने के लिए किया गया।



पृष्ठ के अंकों का योग



(3) कांग्रेस की लुपटी करण की नीति :- कांग्रेस में अनेक बार लीग की अनुचित मांगों को माना हो इसके स्वतंत्र मनोवत्त बढ़ा गया और मन्त्र: इसका कारण भारत विभाजन के रूप में निराला

(4) अंतरिम सरकार में सदस्यों को शामिल करना
 अंतरिम सरकार में सदस्यों को शामिल करने से सरकार की कार्यकारिणी विस्तार हो गयी और यह ही कांग्रेस को मजबूरत विभाजन स्वीकार करना पडा सम्प्रदायिक दलों की तजट से भारत विभाजन हुआ।

पुस्तक-14 का उत्तर

मध्य प्रदेश पिछड़ा वर्ग आयोग इसमें तीन सदस्य होते हैं। एक सदस्य पिछड़ा वर्ग से संबंधित तथा अन्य इन्हें चारे में विधेय जानकारी युक्त सदस्य होते हैं। मध्य प्रदेश पिछड़ा वर्ग का निर्माण 1993 में किया गया। इसमें निम्नलिखित कार्य लीये गये।

(1) मिली भी जाति वर्ग की इस भाग की जांच करना की इसे इस वर्ग में शामिल किया जाये।

E
M
P

[
र



(१) तथा जो माते अपेक्षाहृत वेद्वर शिक्षा में आगयी हैं।
उन्हे इससे बाहर निकलाने की शिक्षा करना।

(३) इनके विकास कार्यो को सफलतापूर्वक करना तथा
अधिकांशो के उद्धारवन की योजना करना।

(४) इनके हानो को दूर करने लिये तथा अन्य सेवाओ में
अरक्षित पदो की रक्षा करना।

(७) इन अन्गसे मैदानय की शिक्षा तथा इनके कार्यो
के क्रियान्वयन पर निगरानी रखना और स्वयं सामाजिक
आर्थिक राजनीतिक विकास को मदद देना।

प्रश्न-15 का उत्तर

भारत में क्षेत्रवाद के उद्घे को दूर करना निम्नोक्त हैं।

- (१) विकास योजनाओ की सारी सफलता
- (२) ~~सुशासनिक~~ एवं सखरी नियंत्रण या कवकी दोषपूर्ण
भीति
- ३) मानव पूंजी का अभाव
- ४) राजनीतिक रुद्धावधि की कमी।

B
S
E
M
P

पृष्ठ



(1) विकास योजनाओं की आंशिक सफलता का विकास योजना की आंशिक सफलता के कारण भी यह योजनाएँ तथा क्षेत्रवाद को खत्म में प्रमुख रही।

(2)

(1) प्रशासनिक नियंत्रण का प्रायः राजनीति की उच्च-पुष्पक के कारण भी विकास योजना सफल नहीं हो पायी क्योंकि उनकी सही स्थिति अपने को बनाये रखने में ही लग गयी है।

(3) मानव पूँजी का अभाव का अभाव भी इसका प्रमुख कारण है। जिन देशों में लोग सर्वोच्च परिश्रम और कुशल नहीं होते हैं। इनमें आर्थिक उन्नति नहीं हो पायी है और यह विकास में पीछे रह जाते हैं।

(4) राजनीतिक स्थिति का भी अभाव का अभाव भी इसका प्रमुख कारण है। जिन देशों में लोग सर्वोच्च परिश्रम और कुशल नहीं होते हैं। इनमें आर्थिक उन्नति नहीं हो पायी है और यह विकास में पीछे रह जाते हैं।

B
S
E
M
P



प्रश्न - 16 का उत्तर

पर्यावरण प्रदूषण - पर्यावरण दो खण्डों में मिलकर बना है।
परि + आवरण = पर्यावरण

ज्यादा जो वातावरण हमें चाहे ओर से
हमें हुये हैं पर्यावरण हैं।

इसे नीबू सेल कहते हैं। तथा यह वातावरण
प्रदूषित हो पर्यावरण बलाया है जो वातावरण को अवरुद्ध करता है
तथा उसे सुरक्षित करवाता है।

(पर्यावरण के प्रकार)

वातावरण में आविर्भाव होने वाला तत्वों का प्रवेश होता है
पर्यावरण प्रदूषण है।

(पर्यावरण प्रदूषण के प्रकार)

- (1) हवानी प्रदूषण
- (2) वायु प्रदूषण
- (3) जल प्रदूषण
- (4) मृदा प्रदूषण
- (5) शैथिल्य या तापीय प्रदूषण

(1) हवानी प्रदूषण :- वातावरण में आविर्भाव होने वाला तत्वों का प्रवेश हवानी प्रदूषण कहलाता है।
इसमें अशुद्ध हवानी से पर्यावरण भी बर्ध
जाता है।

(2) वायु प्रदूषण :- वायु में या वायुमण्डल में माक्सिजन
नाइट्रोजन कार्बन डाई माक्सिड की उपस्थिति

B
S
E
M
P



वायुमण्डल को प्रदूषित करती हैं।

जल प्रदूषण \Rightarrow में जल में गंदे जूड़ा ठरठर का

बलक मिलना तथा इसमें प्रदूषित पानी

में पानी के नीचे जलु भी लहर होते हैं।

आध ही यह किसी काम का बलि रहना इस

उत्तर जल में दूयकल बलक आना जल प्रदूषण

करता है।

सूक्ष्म प्रदूषण \Rightarrow सूक्ष्म प्रदूषण में मिट्टी में अशुद्ध उच्च

निकल के बीजों का उपयोग करना और

अशुद्ध सिचार्ड अशुद्धता से मिट्टी का

उत्पन्न होता है तथा सूक्ष्म प्रदूषण बढ़ता है।

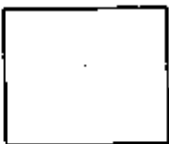
सूक्ष्म प्रदूषण \Rightarrow रेडियो आर्बिग किनो के भू

सूक्ष्म पर आना तथा इसमें पृथ्वी

के वाप को बढ़ाना और इससे अनेक रोगों में

भी वृद्धि होती है।

B
S
E
M
P





प्रश्न - 17 का उत्तर

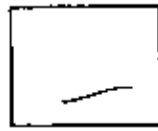
- (1) अपने स्वतंत्र निर्णय की क्षमता को बनाये रखना।
- (2) एक साल विश्व की कामना करना।
- (3) आर्थिक स्वयंसेवा उपलब्ध करना।
- (4) विश्व शांति में सहयोग करना।
- (5) सभी राष्ट्रों से मैत्रीपूर्ण सम्बंध रखना।

B
S
E
M
P

(1) अपने स्वतंत्र निर्णय की क्षमता को भारत जिंजी भी गुट में शामिल हो के अपने स्वतंत्र निर्णय की क्षमता को खो देना चाहिए था। तथा अपने विवेक को बरकरार रखने के लिए हमने गुट विरोध की नीति का अनुसरण किया।

(2) एक साल की भारत को भारत स्वतंत्रता के समय लगे हुए बड़ी शांति या और लड़ी एक छोटी इलमने बड़ी शांति बनने की सम्भावना थी। इस पुनरुद्भवने गुट विरोध का अनुसरण किया।

(3) आर्थिक स्वयंसेवा को भारत की खरिद आर्थिक स्वयंसेवा आर्थिक विकास की थी तथा हमने यदि एक गुट में शामिल हो गये तो केवल एक ही गुट से स्वयंसेवा प्राप्त कर पाए लेकिन यह आर्थिक स्वयंसेवा उपलब्ध करने के गुट विरोध का अनुसरण किया।



(क) निम्न काल में सहायक बनाये रखना। 2 = निम्न काल की मात्रा को बनाये रखना तथा सभी से मैत्रीपूर्ण सम्बन्धों की कमान से सभी भारत ने सुरक्षित रखने की नीति का अनुसरण किया।

प्रश्न-18 का उत्तर :-

भारत-पाक सम्बन्ध :- भारत-पाकिस्तान सम्बन्ध लक्ष्मण के दो देशों के मध्य जुड़ना का समुदाय बनने लिये हैं। भारत-पाकिस्तान की नीति में कार्यवाही को अपने समुदाय सम्बन्ध हैं। तथा पाकिस्तान भारत की नीति भी नीति को अपने विरुद्ध मानता है। इस प्रकार पाक-भारत सम्बन्ध दोनों के दोषपूर्ण बन जा रहा है।

अन-1991 से भारत ने अंग्रेजों का निर्माण किया पाकिस्तान तब से सभी कार्यवाही को अपने समुदाय सम्बन्ध हैं। तथा भारत-पाक के मध्य अनेक समझौते और संधि भी हुईं। इनमें शिमला समझौता 1972 तथा अन्य का काल में पूर्ण विपत्ति भी किया गया।

भारत-पाक में अन्धकार समस्या को लेकर भी विवाद उत्पन्न हुआ है। यह दो वर्षों से लगातार चल रहा है। इस विवाद को दूर करने के लिए तथा भरपूर प्रयास किये गये लेकिन कुछ भी इसका निपटारा नहीं किया गया।

B
S
E
M
P



B
S
E
M
P

इस मामले को सुरक्षा परिषद में भी उठाया गया लेकिन कई दिनों तक यह विवादास्पद रहा।

1965 का भारत-पाक युद्ध 1965 में पाकिस्तान ने भारत पर आक्रमण कर दिया तथा इस आक्रमण में चीन तथा अमेरिका दोनों को संलग्न किया और भारत इस पर अपनी विजय करने में असमर्थ रहा परन्तु पाकिस्तान ने फिर भी अनेक बार आक्रमण किए पाकिस्तान ने 1977 को और फिर 1999 में आक्रमण किया हालांकि पाकिस्तान सभी बार हारा।

1999 का शर गिल संघर्ष 1999 में पाकिस्तान ने भारत की खासगिरी और द्रास पहाड़ियों पर कब्जा कर लिया तथा पाकिस्तान ने सीमा पार अपने सैनिक और कई बालक भी भेजे। भारत ने अपनी सेना भी इसको निजालने का आदेश दिया और तुरीय व माल बाद भारत इसको पीछे खिंचने में सफल हो सका।

2001 के संसद पर आक्रमण 2001 में पाकिस्तान ने भारतीय संसद पर आक्रमण कर दिया तथा इसका भारत ने निन्देकार पाकिस्तान विरोधी कार्यवाही करने का आदेश दिया परन्तु पाकिस्तान ने सबूत की मांग की और भारत-पाकिस्तान सम्बंधों में तब से अतक और सितम्बर को मौपल राज मल्ल होटल का आक्रमण से पाकिस्तान-भारत सम्बंध लगातार तनाव पूर्ण बने हुये हैं।



प्रश्न - प्रश्न उत्तर

निवारणीकरण के प्रकार

- (1) असमग्र निवारणीकरण
- (2) सामान्य निवारणीकरण
- (3) परमाणु निवारणीकरण
- (4) पूर्ण निवारणीकरण
- (5) व्यावस्थापन निवारणीकरण
- (6)

B
S
E
M
P

(1) असमग्र निवारणीकरण :- इसमें सभी प्रकार के अस्त्र शस्त्रों पर प्रतिबंध लगा दिया गया।

(2) सामान्य निवारणीकरण :- इसमें कुछ व्यावहार्य अस्त्र शस्त्रों या हथियारों पर प्रतिबंध लगाया गया।

(3) परमाणु निवारणीकरण :- इसमें परमाणु क्षमता उत्पन्न करना तथा रखरखाव से निवृत्त गैर-सैनिकीय उपयोग करने पर नियंत्रण लगा दिया गया।

(4) पूर्ण निवारणीकरण :- इसमें सभी प्रकार के हथियारों पर प्रतिबंध लगाया और अन्तरीक्षीय स्थानों की व्यवस्था करना था।





(1) व्यवस्थापन निवृत्ति प्रणाली :- इसमें व्यवस्था जो अपनी तनघे
 खर्चों में लया लघिपारो ज अधिक
 योग काल में उरि रीघ लगान दिवा
 बाधा ।

प्रश्न - 20 का उत्तर

- (1) जन सम्प्रभुता पर सम्पन्न राष्ट्र
- (2) निश्चित और निश्चित
- (3) उच्चतर सामंतीयता ज अदभुत सामंतीयता
- (4) धर्म निरपेक्षता
- (5) सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न समाजवादी लोकतंत्रिक
 गणराज्य
- (6) एक संघात्मक लक्ष्यो वाली एकमत व्यवस्था
- (7) संघीय शासन व्यवस्था
- (8) मौलिक उच्चयो का समावेश ।
- (9) राज्य संरक्षणे के उरिलो का पररक्षण

(1) जन सम्प्रभुता पर आधारित :- भारतीय संविधान जन सम्प्रभुता
 पर सम्पन्न राष्ट्र है ।

B
S
E
M
P



इसमें व्याजित को अपने उचित विधित्व सुनने का अर्थ अथिगा
दिवा गया है। तथा इसी परताता में जन सम्पुसुता का
ही उल्लेख विवा गया है।

निश्चित निर्मित दुः भारत का संविधान निश्चित निर्मित
संविधान है। इसमें उक्त अनुच्छेद 12 अनुसूचियों
है। इसी कारण इसका नागरिक लम्बा हो गया है।
तथा इसमें संसार के सबसे अधिक बम माना
जाने का श्रेय प्राप्त है।

उठोर और लक्ष्मीपता का अदभुत सामिश्रण :-
भारतीय संविधान में उठोर तथा लक्ष्मीपता
दोनों पाये गये हैं। साधारण तथा निम्न विधि
में साधारण छात्रों का निर्माण किया जाये वह
लक्ष्मीपता है। लेकिन इसमें निश्चित विधि का
अवकाश दिया जाये वह उठोर इस अर्थ में भारत में
निश्चय है।

धर्म निरपेक्षता :- भारत में धर्म निरपेक्ष राष्ट्र की
स्थापना की गयी है। इसमें भारत विधी
भरी राष्ट्र को धर्म के मामले में तटस्थ
होगा और सभी धर्मों को समान अथिगा
दिया जायेगा।

असंपूर्ण उभुत्व सम्पन्न :- भारत का संविधान असंपूर्ण उभुत्व
सम्पन्न है। यह अपने अंतरिक राष्ट्र मामलों
में पूर्णतया स्वतंत्र है।

B
S
E
M
P

केन्द्राध्यक्ष

1. केंद्र की सील

2019



परीक्षक के लिये

स्टीकर तीर के निशान से मिलाकर लगायें

2. पर्यवेक्षक के हस्ताक्षर व दिनांक

3. केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर की सील

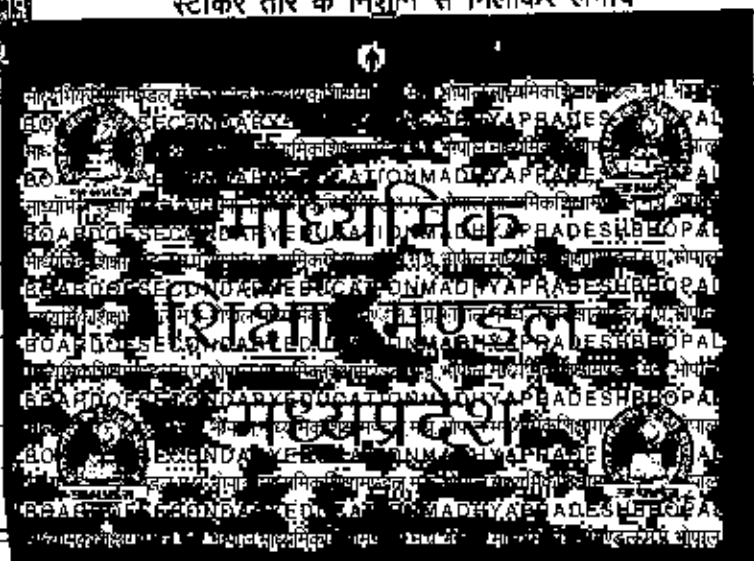
4. केन्द्र क्रमांक

6. परीक्षा का नाम

7. विषय राजनीति शास्त्र 8. माध्यम हिन्दी

8. दिनांक 23.03.09

पृष्ठ



प्रश्न - 2। 1। उत्तर

B
S
E
M
P

गुट निरपेक्ष आन्दोलन की उपलब्धियाँ।

- (1) शान्ति सल्लोचन में हुई।
- (2) परमाणु युद्ध को रोकना सम्भल
- (3) असुल्ल राष्ट्र संघ की व्यवस्था में

परिवर्तन - उपनिवेश - रघा साम्राज्य वद का विरोध

- (4) अमेरिका संघ की आर्थिक सहायता में

परिवर्तन

- (5) मैत्रीपूर्ण सम्बन्धों को बनाये रखना। जातिवाद का विरोध

(1) शान्ति सल्लोचन में हुई :- गुटनिरपेक्ष राष्ट्रों की सल्ल से असुल्ल राष्ट्र संघ में

वहल संस्था से इनके सदस्यों की आस्था गुल्ल हैती लगी और गुटनिरपेक्षल से अल्लरीहीत शान्ति सल्लोचन में हुई इसी समी गल्ल शान्ति की दिशा में उल्लुरत हुये बयानि लल लगे समय से पहले से किसी ने किसी के उपनिवेश में रहे तथा उनके उपनिवेश वाद का विरोध किया।



पृष्ठ के अंक का योग



परमाणु: भद्र आंतरा :- परमाणु युद्ध का भय उठना इसमें
 अनुभव कारण था दोनो ने सोचा यदि
 तीसरा युद्ध होगा तो विह्वल होगा और
 सम्पूर्ण राष्ट्र मल हो जायेगा ।

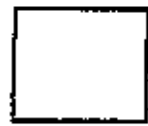
इस उंगर परमाणु आंतरा उत्पन्न होने से
 गुटनिरपेक्षता में सहायता मिली।

रंगभेद - जातिभेद का विरोध :- गुटनिरपेक्ष राष्ट्रों ने
 पुनर्विवाद तथा रंगभेद वाद का
 विरोध भी किया ।

अनिवेशवाद का विरोध :- अनिवेशवाद का विरोध भी
 राष्ट्रों ने किया क्योंकि स्वयं यह
 राष्ट्र लम्बे समय तक अनिवेश रहें।

सभी राष्ट्रों से मैत्रीपूर्ण सम्बन्धों का बनाना :-
 सभी राष्ट्रों से मैत्रीपूर्ण सम्बन्ध
 बनाने को भी गुटनिरपेक्षता ने महत्व
 पूर्ण भूमिका का निर्वहन किया तथा
 गुटनिरपेक्षता से सभी में आधुनिक
 सन्तुष्टि का वातावरण बना और विश्व
 शांति में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन
 किया ।

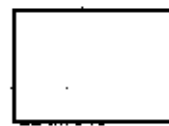
3



+



=



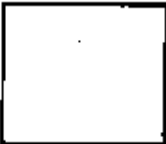
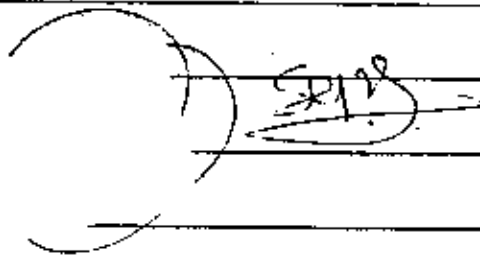
योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 3 के अंक

कुल अंक



B
S
E
M
P



पृष्ठ के अंकों का योग

4

+

=



योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 4 के अंक

कुल अंक

B
S
E
M
P

पृष्ठ के अंकों का योग